Rue de Taciturne 34, 1000 Brussels, Belgium
Email: secretary@globalgreens.org

ग्लोबल ग्रीन्स घोषणापत्र

A Non-Profit Organisation, Association Internationale Sans But Lucratif (AISBL)

जैसा कैनबेरा में वर्ष 2001में अपनाया गया और डाकार में वर्ष 2012 में और लिवरपूल में वर्ष 2017 में अद्यतन किया गया
Translation date: July 2021

Rue de Taciturne 34, 1000 Brussels, Belgium
Email: secretary@globalgreens.org

ग्लोबल ग्रीन्स ग्रीन पार्टियों और राजनीतिक आंदोलनों का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क है

Rue de Taciturne 34, 1000 Brussels, Belgium
Email: secretary@globalgreens.org

विषय सूची

प्रस्तावना **4**

सिद्धांत **6**

- परिस्थितिक समझ 6
- सामाजिक न्याय 6
- सहभागी लोकतंत्र 7
- अहिंसा 8
- वहनीयता 9
- विविधता के लिए सम्मान 11

Rue de Taciturne 34, 1000 Brussels, Belgium
Email: secretary@globalgreens.org

प्रस्तावना

हम इस ग्रह के नागरिक और ग्लोबल ग्रीन्स के सदस्य,

अपने बीच एकता बनाकर *समझते हैं* कि हमारा स्वस्थ जीवन पृथ्वी की जीवन शक्ति, उसकी विविधता और सुंदरता पर निर्भर है और यह हमारा दायित्व है कि हम यह संपत्ति जिस रूप में है वैसी या उससे बेहतर रूप में अगली पीढ़ी को दें।

मानते हैं कि किसी भी कीमत पर आर्थिक विकास करने की रूढ़िवादी सोच के आधार पर मनुष्य द्वारा उत्पादन और उपभोग का प्रभावी स्वरूप तथा पृथ्वी द्वारा संभालने की क्षमता की परवाह किए बिना प्राकृतिक संसाधनों के अति एवं अनावश्यक प्रयोग से पर्यावरण की प्रचंड क्षति और भारी मात्रा में प्रजातियों का लोप हो रहा है

स्वीकारते हैं कि अन्याय, जातिवाद, गरीबी, अज्ञानता, भ्रष्टाचार, अपराध और हिंसा, हथियार द्वारा संघर्ष और लघु अवधि में अत्यधिक मुनाफ़ा बनाने के अवसरों की खोज के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर मनुष्य जाति को भुगतना पड़ रहा है

सहमत हैं कि विकसित देशों द्वारा आर्थिक और राजनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों के परिणामस्वरूप पर्यावरण को और मनुष्य जाति की गरिमा को क्षति पहुंची है

समझते हैं कि दुनिया के कई लोग और देश लंबी सदियों के उपनिवेशवाद और शोषण के परिणामस्वरूप गरीब बने हुए हैं और इसलिए अमीर देश गरीब देशों के पारिस्थितिक ऋणी हैं

अमीर और गरीब के बीच अंतर मिटाने और सभी व्यक्तियों के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन में एक समान अधिकारों के आधार पर नागरिकता का विकास करने के लिए *वचनबद्ध* हैं

मानते हैं कि पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता के बिना वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना असंभव है

मानवता की गरिमा और सांस्कृतिक विरासत की बहुमुल्यता के प्रति चिंताशील हैं

स्वदेशी लोगों के अधिकारों को और साझी विरासत के लिए उनके योगदान को *मानते हैं* तथा यह भी *मानते हैं* कि सभी अल्पसंख्यकों और उत्पीड़ित लोगों का अधिकार है कि वे अपनी संस्कृति, धर्म का पालन करें और अपने अनुसार आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन जीएं

विश्वास करते हैं कि एक अन्य के विरुद्ध प्रतिस्पर्धा की भावना रखने के बजाय सहयोग की भावना ही मानवाधिकार तथा पौष्टिक भोजन, आरामदायक निवास स्थान, स्वास्थ्य, शिक्षा, निष्पक्ष श्रम, वाक् स्वतंत्रता, स्वच्छ हवा, पीने योग्य जल और शुद्ध प्राकृतिक पर्यावरण सुनिश्चित करती है

मानते हैं कि पर्यावरण देशों के बीच सीमाओं को नहीं मानता और

वर्ष *1992* में रियो में ग्रीन्स की वैश्विक सभा की घोषणा के आधार पर *विकास* करेंगे

लोगों के व्यवहार/दृष्टिकोण में, उनकी मान्यताओं में, और उनके द्वारा उत्पादन और जीवन यापन करने के तरीकों में मूलभूत परिवर्तन लाने पर **ज़ोर** देते हैं

घोषणा करते हैं कि यह नई सहस्राब्दी इस परिवर्तन की शुरुआत के लिए एक अहम मोड़ प्रदान करती है

व्यापक वहनीयता के सिद्धांत को प्रोत्साहन देने का दृढ़ **निश्चय लेते हैं** जिसके माध्यम से हम

- जैव-विविधता और जीवन प्रदान करने वाली प्राकृतिक प्रकियाओं की ओर विशेष ध्यान देते हुए पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र की अखंडता का पुनरुद्धार कर उसकी रक्षा करेंगे
- स्वीकारेंगे कि सभी पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक प्रक्रियाएं एक दूसरे से संबंधित हैं
- साझा हित और व्यक्तिगत हितों को संतुलन में रखेंगे
- स्वतंत्रता की भावना के साथ दायित्व की भावना को समन्वित करेंगे
- एकता के साथ-साथ विविधता का स्वागत करेंगे
- अल्पकालिक उद्देश्यों और दीर्घकालिक लक्ष्यों के बीच सामंजस्य स्थापित करेंगे
- सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य की पीढ़ियों को उतनी ही प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक प्रचुरता प्राप्त हो जितनी वर्तमान पीढ़ी को प्राप्त हुई है

व्यापक जीवन और भविष्य की पीढ़ीयों को अधिकतम लाभ प्रदान करने हेतु एक दूसरे के प्रति दायित्व की भावना की **पुष्टि** करते हैं

इन परस्पर संबद्ध सिद्धांतों को लागू करने और इन्हें पूरा करने हेतु वैश्विक भागीदारी की स्थापना करने के लिए विश्वभर की ग्रीन पार्टी और राजनीतिक आंदोलनों के प्रति हम **वचनबद्ध** हैं

सिद्धांत

ग्लोबल ग्रीन्स की नीतियां निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित हैं

परिस्थितिक समझ

हम स्वीकारते हैं कि सभी मनुष्य प्राकृतिक दुनिया का हिस्सा हैं और हम गैर-मनुष्य प्रजातियों सहित हर प्रकार के जीव रूपों के विशिष्ट मूल्यों का सम्मान करते हैं।

हम दुनिया के देशी लोगों के ज्ञान को मानते हैं और उन्हें ज़मीन और उसके संसाधनों के संरक्षक के रूप में देखते हैं।.

हम स्वीकारते हैं कि मानव समाज पृथ्वी के पारिस्थितिक संसाधनों पर आश्रित है और हमें विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों की अखंडता, जैव-विविधता का संरक्षण तथा जीवन का समर्थन करने वाले तंत्रों के लचीलेपन को बनाए रखना सुनिश्चित करना चाहिए।

इसके लिए आवश्यक है कि

- हम पृथ्वी की पारिस्थितिक सीमाओं का सम्मान करें और संसाधनों का सीमित प्रयोग करना सीखे
- हम पशु और वनस्पति तथा प्राकृतिक तत्वों यानी कि पृथ्वी, जल, वायु में पनप रहे और सूर्या द्वारा समर्थित जीवन की रक्षा करें
- जहां ज्ञान सीमित है वहां हम सावधानी बरतें ताकि वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी के संसाधनों की प्रचुरता बनी रहे।

सामाजिक न्याय

हम सामाजिक न्याय प्राप्त करने हेतु स्थानीय और वैश्विक स्तर पर सामाजिक और प्राकृतिक संसाधनों के समान वितरण पर ज़ोर देते हैं ताकि बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से पूरा किया जा सके और साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि सभी नागरिकों को अपने व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए हर संभव अवसर प्राप्त हो।

हम यह घोषणा करते हैं कि पर्यावरणीय न्याय के बिना सामाजिक न्याय संभव नहीं और सामाजिक न्याय के बिना पर्यावरणीय न्याय संभव नहीं।

इसके लिए आवश्यक है कि

- वैश्विक न्याय संगत संस्था और स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था का आयोजन किया जाए जो अमीर और गरीब देशों के बीच और देशों के अमीर और गरीब नागरिकों के बीच बढ़ते हुए अंतर पर अंकुश लगाएगा; दक्षिण से उत्तर की ओर संसाधनों के प्रवाह को संतुलित करेगा और गरीब देशों पर ऋण के भार को कम करेगा ताकि उनका विकास गतिशील हो।

- एक नैतिक, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक अत्यावश्यक कर्तव्य के रूप में गरीबी को जड़ से मिटाया जाए

- निरक्षरता को जड़ से मिटाया जाए

- सभी नागरिकों के समान अधिकार के सिद्धांत पर एक नई प्रकार की नागरिकता की स्थापना की जाए चाहे व्यक्ति का लिंग, जाति, आयु, धर्म, वर्ग, जातीय या राष्ट्रीय मूल, यौन अभिविन्यास, विकलांगता, धन, या स्वास्थ्य की स्थिति कुछ भी हो

सहभागी लोकतंत्र

हमारा प्रयास एक ऐसे लोकतंत्र की स्थापना है जिसमें सभी नागरिकों को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार हो और वे सभी उनके जीवन को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय, आर्थिक, सामाजिक, और राजनीतिक निर्णयों में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने में सक्षम हो ताकि स्थानीय और क्षेत्रीय समुदायों के हाथ में शक्ति और दायित्व की बागडोर रहे और उच्च स्तरीय शासन द्वारा इन समुदायों को शासन संबंधी शक्तियां प्रदान की जाए।

इसके लिए आवश्यक है कि

- कोई भी निर्णय लेने के लिए आवश्यक प्रासंगिक जानकारी तक पहुंच प्रदान कर व्यक्तिगत सशक्तिकरण किया जाए, और सभी को भागीदारी के लिए सक्षम बनाने हेतु शिक्षा तक पहुंच प्रदान की जाए

- भागीदारी को रोकने वाली धन और शक्ति की असमानताओं को हटाया जाए
- नागरिक जीवन शक्ति, स्वेच्छापूर्वक गतिविधि और सामुदायिक दायित्व को प्रोत्साहन देने वाली व्यवस्थाओं के आधार पर मूलभूत संस्थाओं का निर्माण किया जाए जिससे समस्याओं से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होने वाले नागरिक उचित स्तर पर निर्णय लेने में सक्षम बनें
- युवाओं को शिक्षा प्रदान कर, उन्हें प्रोत्साहित कर और सभी निर्णय लेने वाले निकायों में उनकी सहभागिता की सुनिश्चितता सहित राजनीतिक जीवन के हर पहलू में उनकी सहभागिता हेतु प्रभावशाली समर्थन प्रदान किया जाए।
- सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को शासन प्रणाली के सिद्धांत - पारदर्शिता, सच्चाई और उत्तरदायित्व के प्रति वचनबद्ध बनाया जाए।
- सभी चुनावी व्यवस्थाएं पारदर्शी और लोकतांत्रिक हों, और इसे कानूनी व्यवस्था द्वारा लागू किया जाए
- सभी चुनावी व्यवस्थाओं में हर एक वयस्क को एक समान मतदान का अधिकार प्राप्त हो
- सभी चुनावी व्यवस्थाओं का निर्माण आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर हो, और सभी चुनावों को सार्वजनिक तौर पर वित्त पोषित किया जाए; साथ ही, कॉर्पोरेट और निजी दान के विषय में पारदर्शिता और उन पर कड़ी सीमाएं लगी हों
- बहुदलीय व्यवस्था में, सभी नागरिकों के पास अपनी पसंद की राजनीतिक पार्टी के सदस्य बनने का अधिकार हो

अहिंसा

हम घोषणा करते हैं कि अहिंसा के प्रति हम वचनबद्ध हैं और हम वैश्विक सुरक्षा के आधार पर एक ऐसी संस्कृति की स्थापना का प्रयास कर रहे हैं जिससे राज्यों के बीच, समाजों के अंदर और नागरिकों के बीच शांति और सहयोगिता की भावना बने।

हमारा विश्वास है कि सैन्य शक्ति को ही विशेष रूप से सुरक्षा का आधार नहीं माना जा सकता; इसके साथ-साथ सहयोग, प्रबल आर्थिक और सामाजिक विकास, पर्यावरण सुरक्षा और मानवाधिकारों का सम्मान भी आवश्यक है।

इसके लिए आवश्यक है कि

- वैश्विक सुरक्षा के व्यापक सिद्धांत को बढ़ावा दिया जाए जो मुख्य रूप से सबल सैन्य शक्ति की अवधारणा पर आधारित न हो, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिस्थितिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक पहलुओं को महत्व देता हो

- एक वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था बनाई जाए जो रोकथाम, प्रबंधन और संघर्षों का समाधान करने में सक्षम हो

- विभिन्न संस्कृतियों को समझते हुए उनका सम्मान कर, जातिवाद को जड़ से मिटाकर, स्वतंत्रता और लोकतंत्र को बढ़ावा देकर और विश्वभर में फ़ैली गरीबी को दूर कर युद्ध के कारणों को हटाया जाए

- अन्तर्राष्ट्रीय अनुबंध सहित अन्य माध्यमों द्वारा सामान्य और पूर्ण निरस्त्रीकरण किया जाए जिससे कि परमाणु, जैविक और रासायनिक हथियारों, कार्मिक-विरोधी खानों और कमज़ोर यूरेनियम से निर्मित हथियारों पर पूर्ण और निर्णायक प्रतिबंध लगाया जा सके

- संघर्ष प्रबंधन तथा शांति बनाए रखने में जुटे वैश्विक संस्था के रूप में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) (UN) को और प्रभावशाली बनाया जाए

- जिन देशों में मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है उन देशों में हथियारों के निर्यात के विषय में कठोर आचार संहिता का पालन किया जाए।

वहनीयता

हम मानते हैं कि जीवमंडल में मानव समाज का सीमित भौतिक विस्तार ही संभव है, और नवीकरणीय संसाधनों के सतत प्रयोग तथा गैर-नवीकरणीय संसाधनों के ज़िम्मेदाराना प्रयोग से जैव विविधता को बनाए रखने की आवश्यकता है

हमारा विश्वास है कि वहनीयता के लिए और पृथ्वी के सीमित संसाधनों द्वारा वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैश्विक उपभोग, जनसंख्या और भौतिक असमानताओं को रोककर इनसे हुई हानियों के प्रभावों को पलटना चाहिए।

हम मानते हैं कि गरीबी के वर्तमान रहते वहनीयता असंभव है।

इसके लिए आवश्यक है कि

- यह सुनिश्चित किया जाए कि अमीर अपने उपभोग की मात्रा को सीमित रखें ताकि गरीबों को पृथ्वी के संसाधनों में से उनका उचित हिस्सा प्राप्त हो
- धन/संपत्ति के विचार को पुन:परिभाषित किया जाए जिससे कि अति-उपभोग की क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय जीवन की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया जा सके
- वैश्विक अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जाए जिसका लक्ष्य कुछ लालची व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के बजाय सबकी आवश्यकताओं को पूरा करना हो; और जिससे भविष्य की पीढ़ी से उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के अवसर छीने बगैर वर्तमान पीढ़ी को अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने का अवसर मिले
- सभी नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा और बुनियादी शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सनिश्चित कर जनसंख्या वृद्धि के कारणों को जड़ से मिटाया जाए; पुरुषों और महिलाओं दोनों को अपनी प्रजनन क्षमता को बेहतर रूप से नियंत्रित करने के उपाय प्राप्त हों
- अंतरराष्ट्रीय निगमों की भूमिकाओं और दायित्वों को पुन:परिभाषित किया जाए ताकि सतत विकास के सिद्धांतों का समर्थन किया जा सके
- कर व्यवस्था लागू की जाए और साथ ही, सट्टेबाज़ी के माध्यम से उत्पन्न वित्तीय प्रवाह को विनियमित किया जाए
- सुनिश्चित किया जाए कि उत्पादों और सेवाओं की बाज़ार कीमतों में उनके उत्पादन और उपभोग की पर्यावरणीय लागत को पूर्ण रूप से शामिल किया गया है
- बेहतर संसाधन और ऊर्जा क्षमता प्राप्त की जाए और पर्यावरण अनुकूल वहनीय प्रोद्योगिकियों का प्रयोग किया जाए

- अधिकतम व्यावहारिक सीमा तक स्थानीय आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन दिया जाए ताकि लाभप्रद, संतोषजनक समुदायों का निर्माण हो

- युवा संस्कृति की मूल्यवान भूमिका को माना जाए और उसमें वहनीयता की नैतिकता को प्रोत्साहन दिया जाए।

विविधता के लिए सम्मान

हम व्यक्तिगत दायित्व के रूप में सभी जीवों की सांस्कृतिक, भाषा संबंधी, जातीय, यौन, धार्मिक और आध्यात्मिक विविधता के प्रति सम्मान दर्शाते हैं।

हम, बिना भेदभाव, सभी व्यक्तियों का ऐसे माहौल में जीने के अधिकार का समर्थन करते हैं जहां उन्हें अपनी गरिमा, शारीरिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के विकास के अवसर प्राप्त हो

हम बहु-सांस्कृतिक समाज के विभिन्न रूपों को उत्साह के साथ अपनाते हुए सम्मानीय, सकारात्मक और ज़िम्मेदाराना संबंधों के निर्माण का प्रचार करते हैं।

इसके लिए आवश्यक है कि

- देशी लोगों के जीवन यापन के साधनों तथा आर्थिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के अधिकारों का सम्मान किया जाए जिनमें ज़मीन पर और अपने जीवन को अपने तरीके से जीने के अधिकार शामिल हैं; और साथ ही, राष्ट्रिय और वैश्विक संस्कृति की साझी विरासत में उनके योगदान को माना जाए

- जातीय अल्पसंख्यकों द्वारा बिना भेदभाव अपनी संस्कृति, धर्म और भाषा का विकास और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में संपूर्ण कानूनी, सामाजिक और सांस्कृतिक भागीदारी के अधिकार का सम्मान किया जाए

- यौन अल्पसंख्यकों के अस्तित्व को पहचाना जाए और उनका सम्मान किया जाए

- सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन के सभी पहलुओं में महिलाओं और पुरुषों के बीच समानता के सिद्धांत का पालन किया जाए

- हमारे ग्रीन के लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर मूल्यवान योगदान के रूप में युवा संस्कृति की महत्वपूर्ण सहभागिता हो और यह माना जाए कि युवाओं की आवश्यकताएं और उनकी अभिव्यक्ति के साधन भिन्न हैं